No. of Printed Pages : 4

BSKC–109

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.सी.-109 : आधुनिक संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। तीनों ही खण्डों से प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। हिन्दी/संस्कृत/अंग्रेजी—किसी भी एक भाषा का चयन करके ही प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित पद्यों में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : 2×5=10

(क) वन्दामहे पद्मदलाभिरूपां पञ्चप्रशाखीं कविनायकानाम्।
विवर्ततेऽर्थात्मतया स्वयं वै यामाश्रिता काचन सूक्तिदेवी॥

(ख) अज्ञानभस्मावरणानि धूत्वा मनःस्थितांश्चेतयत
स्फुलिङ्गान्।
उद्दीपितस्वत्वकृशानुनाऽऽशु भस्मीकुरूध्वं दृढ़रूढरूढीः॥

(ग) प्रिय-स्वसारो मम बन्धवश्च स्वस्त्यस्तु वः
स्वागतमस्तु हार्दम्।
सुदूरतोऽप्यत्र समागतान् वो दृष्ट्वाऽमितान्
मेऽस्ति महान् प्रमोदः॥

(घ) कांस्यस्य रूप्यस्य च मण्डनानां परम्परेयं परिवर्जनीया।
स्वल्पानि कान्त्या विलसन्ति धार्याण्यन्यानि
सौवर्णविभूषणामि॥

2. निम्नलिखित पद्यों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) वयं सुपुत्राः प्रियमातृभूमेः स्वबान्धवैरेव बहिष्कृताः स्मः।
उद्धर्तुमस्मांश्चिरदास्यपङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः॥

(ख) अन्यायदूरीकरणार्थमेव समागताः स्मोऽत्र सुदूरतोऽपि।
संस्थापनीयाश्च निजाधिकारा निपीय भूयः सलिलं
सरस्याः॥

(ग) मद्यं हि सर्वस्वहरं नराणां कुटुम्बनाशोऽपि च निश्चितोऽस्ति।

निपीय मद्यं गृहमागतेभ्यः कदापि नान्नं परिवेषणीयम्॥

खण्ड—ख

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

$4 \times 10 = 40$

(क) आधुनिक दृश्यकाव्य और उसके भेद-प्रभेद पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते' में वर्णित युगबोध और सामाजिक सन्देश को लिखिए।

(ग) 'शार्दूलशकटम्' के वैशिष्ट्य को अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) आधुनिक संस्कृत चरितकाव्य पर लेख लिखिए।

(ङ) संस्कृत साहित्य जगत् में रामजी उपाध्याय **अथवा** रेवा प्रसाद द्विवेदी के योगदान का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी लिखिए :

$5 \times 6 = 30$

(क) अच्युतानन्द दास

(ख) केशवचन्द्र दास

(ग) वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य

(घ) मथुरानाथ शास्त्री

(ङ) प्रो. प्रभाकर शंकर जोशी

(च) डॉ. पुष्पा दीक्षित

(छ) जगन्नाथ पाठक

× × × × ×